कीर्तन की है रात | by Deepraj Pandit

कीर्तन की है रात .....
कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है
कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है
थाने कोल निभानो है
कीर्तन की है रात .....

दरबार सांवरिया ऐसो सजो प्यारो दयालु आपको
सेवा में सांवरिया सगळा खड़ा डिगे, हुकुम बस आपको
सेवा में थारी म्हाने आज बिछ जानो है
थाने कोल निभानो है
कीर्तन की है रात .....

कीर्तन की है तयारी, कीर्तन करा जमकर, प्रभु क्यों देर करो
वादों थारो दाता कीर्तन में आने को घनी क्यों देर करो
भजना सु थाने बाबा आज रिझाने है
थाने कोल निभानो है
कीर्तन की है रात .....

जो कुछ बण्यो महा सु अर्पण प्रभु सारो, प्रभु स्वीकार करो
नादान सु गलती होती ही आई है प्रभु मत ध्यान धरो
नंदू सांवरिया थारो दास पुराणों है
थाने कोल निभानो है
कीर्तन की है रात .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4-by-deepraj-pandit/